



डॉ. पांडुरंग पाटील
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.

संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि सौ. रेजुला के. द्वारा लिखित “जगदीशचंद्र
माथुर के नाटकों के पात्रों का अनुशीलन” लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित
किया जाए।

स्थान : कोल्हापुर।
तिथि : १० / ४ / २००५

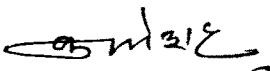
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.

डॉ. के. पी. शहा
रिसर्च गाईड, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सौ. रेजुला के. ने मेरे निर्देशन में
“जगदीशचंद्र माथुर के नाटकों के पात्रों का अनुशीलन” लघु शोध-प्रबंध
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए
लिखा है। पूर्व योजनानुसार संपन्न इस कार्य में शोध-छात्रा ने मेरे सुझावों का
पूर्णतः पालन किया है। जो तथ्य शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी
के अनुसार सही हैं। शोध-प्रबंध को आद्योपांत पढ़कर ही मैं इसे परीक्षणार्थ
अग्रेषित करने हेतु अनुमति प्रदान करता हूँ।

स्थान : कोल्हापुर।
तिथि : २०/४/२००५

शोध-निर्देशक

डॉ. के. पी. शहा


प्रख्यापन

“जगदीशचंद्र माथुर के नाटकों के पात्रों का अनुशीलन” लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है जो एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। प्रस्तुत रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

स्थान : कोल्हापुर।

तिथि : /4 /2005

शोध-छात्रा


(सौ. रेजुला के.)